सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 27 मई, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषयः मंत्रिमंडल के लिए माह अप्रैल, 2024 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का माह अप्रैल, 2024 का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)
निदेशक (पीएमआई)
दूरभाषा: 011-23389839

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: उर्वरक विभाग का माह अप्रैल, 2024 का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	25.27	25.27
डीएपी	2.06	2.06
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.51	0.51
मिश्रित उर्वरक	7.26	7.26
सिंगल सुपर फॉस्फेट	2.99	2.99

स्रोत: dbtfert.nic.in 03.05.2024 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	20.24	106.89	10.54
डीएपी	7.66	22.11	2.27
एमओपी	1.34	6.90	0.60
एनपीके	7.68	47.93	2.72

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	3.0
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	0.81
डीएपी	2.79
एनपीके	1.22

4. अप्रैल, 2024 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:

(क) <u>तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करना:</u>

भारत सरकार ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए अधिदेशित है। तदनुसार, 12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है, जो भारत में अपनी तरह की पहली है। इस संयंत्र की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 फरवरी, 2019 को रखी गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है। सीसीईए ने दिनांक 21.02.2024 को आयोजित बैठक में टीएफएल की परियोजना में आरसीएफ द्वारा 2169.67 करोड़ रुपए (±10%) के कुल संशोधित साम्या निवेश को अनुमोदित किया।

(ख). माह अप्रैल, 2024 के दौरान टीएफएल संयंत्र के संबंध में प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं: -

i. **<u>निर्माण संबंधी कार्यकलाप</u>:**

क. जहां तक 2000 मीट्रिक टन क्रेन के संचलन के लिए तैयारी का संबंध है, 2000 मीट्रिक टन क्रेन के संचलन के लिए मार्ग निर्धारित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, मेगा क्रेन अनलोडिंग क्षेत्र और विभिन्न इकाईयों में क्रेन लगाने के लिए हार्ड स्टैंड के स्थान की पहचान की गई है और इसका विकास प्रगति पर है।

ख. भूमिगत पाइपिंग के लिए, मैसर्स वुहान इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूईसीएल) द्वारा 12.04.2024 को एक नए कांट्रेक्टर को काम पर रखा गया है और कुल 200 मीटर पाइप बिछाया गया है। कुल 17.54 कि.मी. में से कुल 4.92 कि.मी. की भूमिगत पाइपिंग बिछाई जा चुकी है।

ग. कोयला गैसीकरण इकाई (सीजी) के संबंध में, गैसीकरण भवन के ऊपर स्टील संरचना निर्माण के तीसरे एवं चौथे तल प्रत्येक पर 28 कॉलम में से प्रत्येक में 24 कॉलम निर्मित किए गए।

घ. गैसीफायर मुख्य फ्रेम के निर्माण के लिए सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जहां तक एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू) का संबंध है, टैंक बॉटम प्लेट वेल्डिंग, बाहरी दीवार निर्माण के दो शैल, रूफ वेल्डिंग और डबल वॉल्ड तरल नाइट्रोजन भंडारण में नोजल व्यवस्था पूरी हो गई है।

ड. इसके अतिरिक्त, दोनों अमोनिया भंडारण टैंक में रूफ प्लेट वेल्डिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। अमोनिया कूलिंग टॉवर में सेल कास्टिंग भी पूरी हो गई है। प्रिलिंग टॉवर का निर्माण आवश्यक 124 मीटर की ऊंचाई में से 79.40 मीटर तक पूरा हो गया है।

च. मैसर्स डब्ल्यूईसीएल, एलएसटीके कांट्रेक्टर ने जनशक्ति जुटाने से संबंधित मुद्दों का समाधान कर लिया है। अप्रैल माह में नियोजित श्रम संख्या 1500 थी। मैसर्स डब्ल्यूईसीएल तत्काल आधार पर 500 तक अपनी जनशक्ति बढ़ाने और अगले तीन महीनों के भीतर जनशक्ति में और 500 की वृद्धि करने की प्रक्रिया में है।

II. **<u>मानसून संबंधी तैयारी:</u>**

क. मानसून के दौरान काम की निर्बाध प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए, मानसून की तैयारियों के प्रबंधन के लिए टीएफएल और पीडीआईएल अधिकारियों को शामिल करते हुए एक समिति गठित की गई है।

ख. समिति द्वारा संयुक्त स्थल सर्वेक्षण के आधार पर बंद नालों की पहचान की गई है और बारिश के मौसम के दौरान जल भराव से बचने के लिए नालों की सफाई और सड़कों की सफाई के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है। सड़क के असमतल और गड्ढों वाले हिस्से की भी पहचान की गई है और मरम्मत की गतिविधियां चल रही हैं।

ग. इसके अतिरिक्त भंडारण और महत्वपूर्ण उपकरणों को बारिश से बचाने के लिए पुराने यूरिया साइलो की पहचान की गई है। मानसून के दौरान कार्य जारी रखने के लिए रेत, कच्चा माल जैसी पर्याप्त निर्माण सामग्री का भंडारण भी किया जा रहा है।

घ. टीएफएल/पीडीआईएल को बारिश के पानी के लाभप्रद उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन योजना तैयार करने और लेआउट प्लान में बरसाती पानी के नालों की उचित मार्किंग करने का भी निदेश दिया गया है।

III. **<u>लंबित इंजीनियरिंग मामलों का समाधान:</u>**

क. लंबित प्रक्रिया इंजीनियरिंग मुद्दों को हल करने के लिए टीएफएल और मैसर्स डब्ल्यूईसीएल, चीन इंजीनियरिंग टीम के बीच नियमित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग(वीसी) आयोजित की गई। इसके अलावा, डब्ल्यूईसीएल साइट प्रभारी के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गई, जिसमें यह प्रदर्शित किया गया कि कैसे उनके चालान नकदी प्रवाह को बढ़ा सकते हैं।

ख. मैसर्स डब्ल्यूईसीएल को यह भी अनुदेश दिया गया है कि वह मैकेनिकल/पाइपिंग/इलैक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंट कार्यों के लिए सक्षम कंपोजिट वर्क ठेकेदार (ठेकेदारों) की व्यवस्था (लाइन अप) करें ताकि उससे पहले साइट पर बल्क मदों की सुपुर्दगी सुनिश्चित की जा सके।

ग. इसके साथ ही, अक्टूबर, 2024 तक साइट पर डिलीवरी के लिए पूरे भारत में विभिन्न विक्रेताओं के केन्द्रों पर उपकरण निर्माण में तेजी लाने के लिए एक टीएफएल/पीडीआईएल टीम बनाई गई है।

घ. पीडीआईएल के उत्पादन, परियोजना के लिए पीएमसी की बेहतर मासिक प्रगति के लिए निगरानी की जा रही है।

iv. टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति इस प्रकार है: -

क) मार्च, 2024 तक परियोजना की समग्र प्रगति: 58.10%
ख) अप्रैल, 2024 के दौरान वृद्धिशील प्रगति : 1.57% (पिछले माह के 1.21 की तुलना में)
ग) अप्रैल, 2024 तक समग्र प्रगति : 59.67%

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान 2024-25 के लिए <u>168130.81 करोड़ रुपए</u> के कुल उपलब्ध बजट की तुलना में अप्रैल 2024 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर 6639.24 करोड़ रुपये (यूरिया: 4822.76 करोड़ रुपये, पीएण्डके: 1811.38 करोड़ रुपए, स्थापना: 5.10 करोड़ रुपये) का व्यय हुआ। अप्रैल 2024 के दौरान कुल व्यय कुल आवंटन का लगभग 3.95% था।

*****